आत्मकथ्य

Q.1: कवि आत्मकथा लिखने से क्यों बचना चाहता है?

Ans : कवि आत्मकथा लिखने से इसलिएबचना चाहता है क्योंकि कवि अपने जीवन की व्यथा बताकर किसी को पीड़ित नहीं करना चाहते और ना ही संसार में मज़ाक का पात्र बनना चाहता है।

Q.2: आत्मकथा सुनाने के संदर्भ में 'अभी समय भी नहीं' कवि ऐसा क्यों कहता है?

Ans : आत्मकथा सुनाने के संदर्भ में 'अभी समय भी नहीं' कवि ऐसा इसीलिए कहता है क्योंकि आत्मकथा लिखकर कवि मन में दबे हुए कष्टों को मिल करके दुखी नहीं होना चाहता है। अपनी छोटी सी कथा को बड़ा आकार देने में वह असमर्थ हैं। अभी उसकी पीड़ा से हृदय में दबी हुई है। उसका जीवन दुखों और अभावों की यादगार है जिन्हें याद कर वह दुखी नहीं होना चाहता।

Q.3: स्मृति को 'पाथेय' बनाने से कवि का क्या आशय है?

Ans : कवि ने अपने जीवन की सुखद स्मृति को पाथेय कहा है क्योंकि वही सुखद स्मृतियां उसे शेष जीवन जीने में सबलता प्रदान करती हैं। जैसे थका हुआ यात्री शेष रास्ता देखते हुए अपनी मंजिल पा जाता है वैसे ही कवि उन यादों के सहारे अपना शेष जीवन बिता लेगा। मनुष्य अपनी सुखद स्मृतियों की याद तथा दोबारा जीवन में सुख को पाने की इच्छा में अपना सारा जीवन व्यतीत करता है।

Q.4: भाव स्पष्ट कीजिए -(क) मिला कहाँ वह सुख जिसका मैं स्वप्न देखकर जाग गया।आलिंगन में आते-आते मुसक्या कर जो भाग गया।(ख) जिसके अरुण कपोलों की मतवाली सुंदर छाया में।अनुरागिनी उषा लेती थी निज सुहाग मधुमाया में।

Ans : (क) प्रस्तुत पंक्तियां छायावादी कवि जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित आत्मकथ्य कविता से ली गई है। कवि ने जीवन के यथार्थ का वर्णन करते हुए कहा है कि उसे वह सुख नहीं मिल सका जिसकी वह कल्पना कर रहा था। उसे सुख मिलते मिलते रह गया अर्थात इस दुनिया में सुख छलावा मात्र है। मनुष्य के सपने कभी हकीकत नहीं होते। जरूरी नहीं है कि सुख के सपने पूरे साकार हों। कभी कहना चाहता है कि जीवन में सुख क्षणिक है। (ख) प्रस्तुत पंक्तियां छायावादी कवि जयशंकर प्रसाद द्वारा लिखित आत्मकथ्य कविता से अवतरित हैं। कवि ने इन पंक्तियों में जीवन के सुखद क्षणो की अभिव्यक्ति की है। यही सुखद क्षण उसके जीवन का पाथेय है। कवि अपनी प्रेयसी के सौंदर्य का वर्णन करते हुए कहता है कि नायिका के गाल में इतनी लालिमा थी कि उषा भी उसमें अपना सुहाग ढूंढती थी। अतः नायिका का सौंदर्य अनुपम था।

Q.5: 'उज्ज्वल गाथा कैसे गाऊँ, मधुर चाँदनी रातों की' – कथन के माध्यम से कवि क्या कहना चाहता है?

Ans : कवि यह कहना चाहता है कि वह अपनी सुखद क्षणो की गाथा को किन शब्दों में बयान करें। जीवन के कुछ अनुभवों को गोपनीय रखना ही उचित होता है। वह समय बहुत सुखद था।

mc24 Myclass24
Your Class. Your Pace.